MGPS

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2021–2022 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) कीकार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीयकार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी आरै शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जोआपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्यबनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रमदर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपनेही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होनेचाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधारहोगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभालकर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृ पयाइस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरागाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरणः आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमाके भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों कोनिम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2021 सत्र के लिए	31 मार्च 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2022 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2022	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसारअपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखितबातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजनाः** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं,उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषणकरने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीयकार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखेंऔर जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवाद पर गांधी के विचार क्या हैं? वे दोनों में कैसे सामंजस्य स्थापित करते हैं ?

2. 'द किंगडम ऑफ गॉड इज वीथिन यू' में लियो टॉल्स्टॉय के प्रमुख तर्क क्या हैं? क्या इसने गांधी के विचार को आकर प्रदान किया, वर्णन करें।

3. नस्लीय भेदभाव के खिलाफ और भारतीय श्रमिकों के अधिकार दिलाने के लिए गांधी की लड़ाई पर चर्चा करें।

4. गांधी के सत्याग्रह के अर्थ का परीक्षण खेड़ा के उदाहरण के साथ करें।

5. असहयोग आंदोलनों की प्रमुख उपलब्धियां क्या थीं? विस्तारपूर्वक समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) दांडी मार्च
   ख) गांधी–इरविन समझौता

7. क) पूना पैक्ट
   ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन

8. क) खादी और इसकी प्रासंगिकता
   ख) रचनात्मक कार्यक्रम

9. क) भारत छोड़ो आंदोलन
   ख) मुस्लिम लीग द्वारा विभाजन की मांग

10. क) गांधी और विभाजन
    ख) कैबिनेट मिशन योजना

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. संघर्षों के अध्ययन से सम्बंधित विभिन्न विषय/उप–विषय कौन से हैं? उदाहरण के साथ वर्णन करें।

2. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में संघर्षों के समाधान का कौन सा दृष्टिकोण आपको पसंद है और क्यों?

3. सामाजिक अन्याय क्या है? सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में इसका विश्लेषण करें?

4. मानव विकास, सामाजिक समानता और शसक्तीकरण के बीच सह–संबंधों का परीक्षण कीजिए।

5. कितने प्रकार के संघर्षों की पहचान की जा सकती है? प्रमुख समाजशास्त्रियों, राजनीति विज्ञान और शांति और संघर्ष अध्ययन के विशेषज्ञों का हवाला देते हुए प्रश्न का उत्तर दें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) संघर्ष के स्रोत
   ख) सापेक्ष अभाव सिद्धांत

7. क) एडवर्ड अजार का दीर्घ सामाजिक संघर्ष का सिद्धांत
   ख) व्यापार प्रतिरोध (एम्बार्गो)

8. क) सत्याग्रह के लिए शर्तें
   ख) अतिवैश्वीकरण

9. क) संघर्ष समाधान के बलात्मक पद्धति
   ख) गांधी और शांति शिक्षा

10. क) शांति की संस्कृति के स्तंभ
    ख) संघर्ष और इसके समाधान के पश्चिमी एवं पूर्वी दृष्टिकोण

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गांधी के बाद अहिंसक आंदोलनों के परिणामों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. आज मानव जाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिक मुद्दे क्या हैं? भारत में पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए चल रहे आंदोलनों के उदाहरण के साथ वर्णन कीजिये।

3. सैद्धांतिक और सामरिक अहिंसक आंदोलनों के बीच अंतर स्पष्टकरें।

4. समकालीन भारत में शराब नीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की प्रमुख चिंताओं को रेखांकित करें।

5. 'भूदान आंदोलन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहा', क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) किसान आंदोलन की विचारधारा
   ख) महिला और नागरिक अधिकार आंदोलन

7. क) ग्रीन गांधी
   ख) पारिस्थितिकी–नारीवादी आंदोलन

8. क) 21वीं शताब्दी में ग्रीन पीस आंदोलन (Green Peace Movement)
   ख) साइलेंट वैली आंदोलन

9. क) पोलैंड में एकजुटता आंदोलन
   ख) मरुस्थलीकरण

10. क) भारत में राष्ट्रीय जल नीति
    ख) सम्पूर्ण क्रांति

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2021–22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. 'सत्याग्रह संघर्ष समाधान का एक व्यवहार्य, स्वायत्तता–उत्पादक तरीका है' (वेबर), इस कथन से आप क्या सहमत हैं? अपने विचार के पक्ष में तर्क दें।
2. प्रत्यक्ष और संरचनात्मक हिंसा के बीच अंतर स्पष्ट करें।
3. संघर्ष समाधान के लिए कुछ पश्चिमी दृष्टिकोणों पर संक्षेप में चर्चा करें।
4. संघर्ष को पारिभाषित करें।हिंसा, संघर्ष और संघर्ष समाधान पर गांधी के दृष्टिकोण पर चर्चा करें।
5. नोआखाली के संदर्भ में गांधी के निर्भयता और साहस के विचारों का समालोचनात्मक विश्लेषण करें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) सामंजस्य की अवधारणा
   ख) श्रीलंकाई नृजातीय संघर्ष में भारत की भागीदारी

7. क) शांति के लिए नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) पेट्रा केली और जर्मन ग्रीन्स

8. क) आत्म शुद्धि के लिए उपवास पर गांधी का आग्रह
   ख) संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा गांधीवादी सिद्धांतों की मान्यता

9. क) सत्याग्रह का सिद्धांत
   ख) संघर्ष परिवर्तन

10. क) संघर्ष के स्रोत के रूप में गलत संचार की भूमिका
    ख) म्यांमार में संघर्ष समाधान में गांधीवाद की प्रासंगिकता